लौह शिल्प प्रशिक्षण कार्यशाला

(दिनाँक 24 जून 2024 से 08 जुलाई 2024)

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़

अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़, जिला–बलरामपुर, छत्तीसगढ़

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एवं

NMICPS, DST भारत सरकार

के द्वारा वित्त पोषित

उद्घाटन सत्र

दिनाँक 24 जून 2024, समय : 11 बजे पूर्वाह्न

स्थान– अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़, जिला–बलरामपुर, छत्तीसगढ़

मुख्य अतिथि

श्री शिव शंकर सिंह मरावी

जनपद अध्यक्ष, शंकरगढ़

अध्यक्षता

डॉ. पुनीत कुमार राय

प्राचार्य

अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़, जिला–बलरामपुर, छत्तीसगढ़

कार्यक्रम संयोजक

डॉ. नितेश कुमार मिश्र

वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़

विभागाध्यक्ष

प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़

सह–संयोजक

डॉ. बन्सो नुरुटी

वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक

इतिहास, अध्ययनशाला

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़

आयोजन सचिव

सुश्री अनुपा मिंज

सहायक प्राध्यापक

अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़,

जिला–बलरामपुर, छत्तीसगढ़

पत्रिका

15 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

शासकीय महाविद्यालय में लौह शिल्प प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

शंकरगढ़ @ पत्रिका. स्थानीय शिल्पकारों को रोजगारोन्मुखी भविष्य देने के उद्देश्य से प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर तथा अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा 15 दिवसीय लौह शिल्प प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में किया जा रहा है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर स्वागत उद्बोधन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुनीत कुमार राय ने दिया। उन्होंने कहा कि यह 15 दिवसीय लौह प्रशिक्षण कार्यशाला इस क्षेत्र के लोगों का कौशल विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम संयोजक डॉ. नितेश कुमार मिश्र ने कहा कि इस कार्यशाला से इस क्षेत्र के स्थानीय

जनजातियों का आर्थिक उन्नयन उनके सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से हो सकेगा। विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत सीईओ संजय दुबे ने प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष शिवशंकर सिंह मरावी ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षु लौह शिल्प कला के ज्ञान का उपयोग अपने भविष्य के विकास में कर सकते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि तिला साय व अन्य अतिथियों में मोहर साय, मुकेश सिंह, कलिंदर राम, सुंदरलाल व बीजू राम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अनुभा मिंज तथा धन्यवाद ज्ञापन सुरेश रवि ने किया।

25/06/2024 | Ambikapur | Page : 6
Source : https://epaper.patrika.com/